* शब्दार्थ *

पहली इकाई

२. **हवा** : इठलाना = इतराना; चंचल = अस्थिर; ठुमकना = नृत्य की मुद्रा में चलना; मटकना = अंग हिलाकर चलना; दुलारना = लाड़-प्यार करना; तड़के = प्रातःकाल, सवेरा ।

८. **माँ** : प्रारूप = आकार; सुरूप = सुंदर रूप; ब्रह्मांड = विश्व ।

९. **मोती जैसे दाँत** : शीत = ठंडा; झँझोड़ना = जोर से हिलाना ।

पुनरावर्तन– १ : खार = काँटा; मेघा = बादल; मेधा = बुद्धि; सेर = वजन करने की पुरानी इकाई; चारण= स्तुति करने वाला; उघाड़ = खोलना; सरपत = एक प्रकार की घास ।

पुनरावर्तन– २ : बेल = लता; ओज = तेज; छत्र = छत, छाता; रिपु = शत्रु; कसौटी = परीक्षा, जाँच, परख; झाँझ = एक तरह का ताल वाद्य ।

दूसरी इकाई

२. **लालची कुत्ता** : पटरा = लकड़ी का चौरस टुकड़ा, पाटा; हथियाना = हड़पना; भौंचक्का = आश्चर्यचकित; मुँहबाय = मुँह फैलाकर; बलाय = बला, संकट ।

३. **खिचड़ी** : कारनामा = बड़ा कार्य; हँड़िया= हंडी; आँच = गरमी ।

५. **जुड़ें हम** : अग्रसर = आगे बढ़ा हुआ; रफ्तार = गति; संपदा = संपत्ति, धन ।

९. **भारत** : अनुपम = बेजोड़; अजूबा = आश्चर्य में डालने वाला; दूजा = दूसरा; मुँड़ेर= छत के ऊपर कम ऊँचाई की दीवार; प्रभाती = सुबह के समय गाने वाला गीत ।

१३. **(ब) छुक-छुक गाड़ी** : भाद्रपद= भादों; अग्रहायण = अगहन; फाल्गुन = फागुन ।

१४. **निरीक्षण** : स्वस्थ = निरोगी, तंदुरुस्त; निष्कर्ष = निचोड़ ।

पुनरावर्तन– ३ : झंझावात = तेज आँधी; पंथ = मार्ग; गुंफन = गुँथा हुआ ।

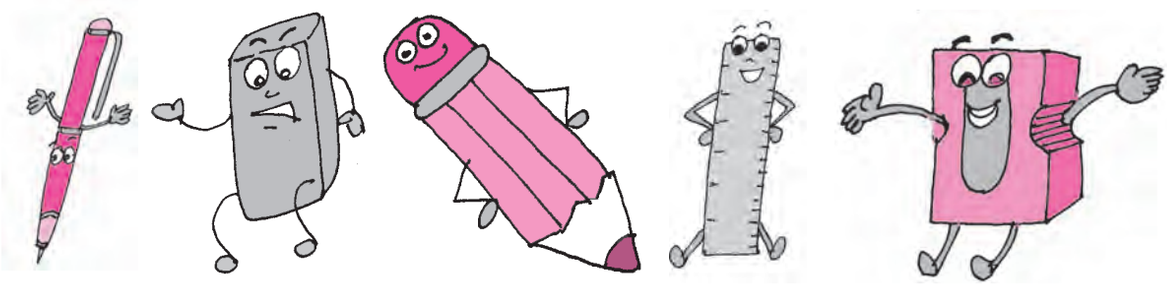

* उत्तर *

पुनरावर्तन –२, पृष्ठ क्र. १८, प्रश्न ४ का उत्तर :

आम, पीपल, कमल, नीम, अंगूर, शमी, अशोक, गुलाब, इमली, बेल, केला, गुड़हल, नारियल ।

● लिखो, पढ़ो और सुनाओ :

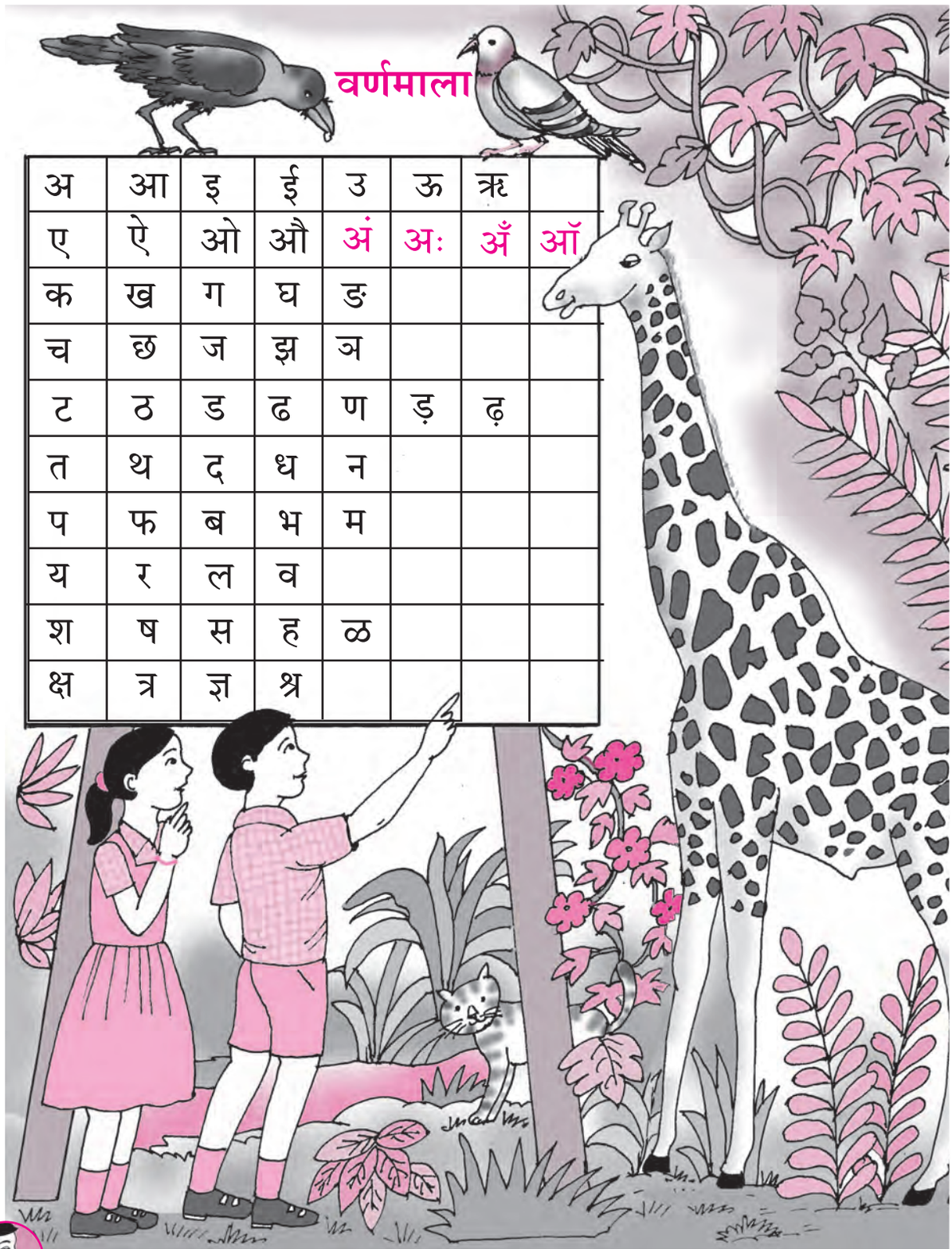

वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	अँ	ऑ
क	ख	ग	घ	ङ			
च	छ	ज	झ	ञ			
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़	
त	थ	द	ध	न			
प	फ	ब	भ	म			
य	र	ल	व				
श	ष	स	ह	ळ			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र				

१. वर्णमाला क्रम से पढ़कर सुनाओ ।

२. 'क' की बारहखड़ी लिखकर पढ़ो ।